7 दिसम्बर, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

"विश्व ज्ञान–विस्फोट का साक्षी बन रहा है लेकिन भारत पिछड़ रहा है": अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

श्री नसीम अहमद, माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने 'टीचर एजुकेशनः चैलेंजिज, अपोर्चुनिटीज़ एंड स्ट्रेटजीज' पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि "विश्व ज्ञान–विस्फोट का साक्षात्कार कर रहा है लेकिन गुणवत्ता और सार्वभौमिक शिक्षा के क्षेत्र में भारत पिछड़ रहा है"।

"इसमें कोई शक नहीं कि हम उभरते हुए एक महान राष्ट्र है और चुनौतियों का सामना करने के लिए विकसित देशों की तुलना में अच्छी स्थिति में हैं"। श्री नसीम अहमद ने कहा कि कुछ स्पष्ट बाधाओं के चलते मानव विकास सूचकांक में भारत 130वें स्थान पर और 133 देशों की सामाजिक प्रगति सूचकांक में 98वें स्थान पर है। साक्षरता के मामले में भारत की कुल साक्षरता 74.4% है जिसमें 68% साक्षरता महिलाओं की, 66% अनुसूचित जातियों की और इसमें अल्पसंख्यकों की मात्र 60% साक्षरता है।

श्री अहमद ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि भारत में कोई विश्वस्तरीय उच्च शिक्षण संस्थान नहीं है और प्राथमिक शिक्षा के प्रमुख संकेतकों के अनुसार 39% स्कूलों के पास 50 से भी कम छात्र हैं, 48% स्कूलों के पाँचवी कक्षा के छात्र ठीक से घटाना नहीं जानते और 21% प्राथमिक शिक्षक अप्रशिक्षित है और केवल 18% शिक्षक ही वार्षिक इन–सर्विस प्रशिक्षण प्राप्त कर पाते हैं।

"कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों से अधिक स्कूलों के शिक्षक अपनी पहचान के संकट का सामना करते हैं। श्री अहमद ने यह सुझाव दिया कि उन शिक्षकों को ज्ञान के आधार पर अद्यतन करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। सतत् पुनश्चर्या प्रशिक्षण माड्यूल की तरह बड़े पैमाने पर ऑनलाइन मुक्त पाठ्यक्रम (एमओओसीएस) और डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) और डिजिटल लाइब्रेरी से डिजिटल माध्यम इस संदर्भ में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। उन्होंने एक और सुझाव दिया कि सेवा का स्थायित्व प्रदर्शन के आधार पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए और नए संस्थानों के बजाए बुनियादी ढ़ाँचों के विस्तार पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

प्रो. जोएना मेडालिंस्का–मिकालक, यूनिवर्सिटी ऑफ वार्सा, पौलेंड ने अपने बीज वक्तव्य में कहा "पेशे के रूप में विकासशील शिक्षण एक वैश्विक समस्या है।" ओईसीडी टीचिंग एंड लर्निंग इंटरनेशनल सर्वे (टालिस) रिपोर्ट का यूरोपियन संदर्भ में हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 68% कर्मचारियों में महिलाएं हैं और 83% शिक्षक स्थायी अनुबंध पर हैं।

उन्होंने कहा "शिक्षकों को मीडिया कवरेज आमतौर पर बुरी खबर के संदर्भ में मिलता है, हमें आवश्यकता है कि शिक्षण, पेशे और शिक्षकों की छवि को सुधारने के लिए मीडिया के साथ काम किया जाए।

प्रो. जोएना ने एक विश्व प्रसिद्ध विद्वान शिक्षक, पेडरेग होगन का हवाला देते हुए कहा कि "टीचर एज़ रेफलेक्टिव प्रेक्टिशनर/एज़ ए रिसर्चर" इसलिए शिक्षकों की गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हमें एक समग्र रूप में टीचर को देखना चाहिए कि कैसे ज्ञान, कौशल और व्यवहार की दृष्टि से यूरोप के 6 लाख़ शिक्षकों में से प्रत्येक का रवैया महत्वपूर्ण है।

प्रो. शाहिद अशरफ़, सम–कुलपति, जामिइ ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि अधिकतर शिक्षक छात्रों को अधिगम के लिए तैयार करने में बहुत अच्छी भूमिका निभाते हैं लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्र अपने संबंधित क्षेत्र में शिक्षा के सिद्धांतो का अनुपालन करें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह दो दिवसीय सम्मेलन समृद्ध रहेगा और उद्घाटन सत्र में जिन समस्याओं पर प्रकाश डाला है उन मुद्दों पर समग्रता की तरफ बढ़ेगा।

प्रो. हरजीत कौर भाटिया, अध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग और सम्मेलन की आयोजक सचिव एवं प्रो. इलयास हुसैन, सम्मेलन अध्यक्ष ने दो दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम का सैद्धांतिक परिचय दिया और उसमें चर्चा किए जाने वाले मुद्दों की जानकारी दी। प्रो. एजाज़ मसीह, डीन, शिक्षा संकाय ने डॉ. एम.ए. अंसारी ऑडिटोरियम में मौजूद जामिया के अधिकारी, डीन, अध्यक्ष, शिक्षकों और सभी विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

18 इंटरएक्टिव सत्र में शिक्षा क्षेत्र के नवीनतम संसाधन, उपकरण, अत्याधुनिक अनुसंधान, सर्वोत्तम प्रथाओं के सहभागी उपयोग के लिए चर्चा की गई जिसमें विशेष रूप से शिक्षक शिक्षा में प्रांतीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास से संबंधित मुद्दों को कवर करने का प्रयास किया गया। यह भी आशा व्यक्त की गई कि कक्षाओं के व्यवहारिक अनुभवों को सुदीर्ण बनाने के तरीके सुझाए जाएं और उच्च नैतिक, पेशेवर मानकों एवं संस्थागत तंत्र में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षक शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जाए जिससे व्यक्तिगत विकास, बौद्धिक विकास और उच्च स्तरीय उपलब्धि हासिल करने में सहायता मिल सके।

प्रो साइमा सईद
मानद उप मीडिया समन्वयक
9891227771